Acc. 535-76
77
78

(4)

folioes- 35

शारिका कवच (शारदा)

15x9.5 c.m

श्रा ५ ०

ॐ श्रीमादिकाठमवहैनमः ॥ ॐ श्रीगुरुवेभम्बुडीआ
ॐ कुश्याभिथमंविहूं मदमुग्नाहिठंमिवे ॥ मिल
या: आदिकृशापुंभवश्रुङ्गपिणीभा ॥ विनाम
ह्रीं थेंडेविविनाहुभंविनाह्रनभा ॥ विनाभह्रींयं
स्पृं विनादिभंमडधाणभा ॥ विनाम्भआनगभनंन
विनाभमधप्रणनभा ॥ यघालङ्कूलंभवंउंविहं

मधापावति ॥ यामेवीमेत गलिदेमिलकवाभिवा
मिक ॥ मलजिवति विमंडमंदशिपुलिकमभी ॥ मेव
मंमगति गंछे विपमोसुदृढ विगी ॥ धम्मधम्मुलट
डेमदविहई कमिला ॥ डमुताम मदमंडेवलठया
मिरदमुकमो ॥ रदमुंअम मवमुंमकलामारव
लेकमो ॥ वेलपेमगमोविहंय पेमाहम मदप्रकम

2

ਸਾ
ਸ
੭

ਧਧਕੈ ਕੁਲੰਮਸਿਤ੍ਹੰ ਧਧੇ ਕ੍ਰਦੈ ਸੰਪਮਆ ॥ ਕਿੰਤ ਅਧ ਕਰ ਤੰ ਦੰਲੇ
ਕੇਤ ਪ੍ਰਧਾਨ ਕਰਸ੍ਰੀ ਸ਼ਿਰਿ ॥ ਚਮੂ ਸ੍ਰੀ ਸਾਹਿਬ ਭਗਵਤੀ ਸਤ੍ਰ
ਨਾਮ ਬਦਨ ਅਸੁਭ ਗਨਾਥ ॥ ਸ੍ਰੀ ਭਗਵੰਤ ਦੇ ਧਿ: ॥ ਤ੍ਰਿਸੂਲ
ਹੈ: ॥ ਸ੍ਰੀ ਸਾਹਿਬ ਭਗਵਤੀ ਸੇਵਤਾ ॥ ਸੈਂ ਤੀਨ ਅਾ ॥ ਸ੍ਰੀ
ਪਤਿ: ॥ ਤੇ ਧੀਲਕਆ ॥ ਸ੍ਰੀ ਵਿਦ੍ਰਮ ਸਿਧੁ ਕੇ ॥ ਧਮ ਤੇ ਕ
ਅਸੇਤ ਕਰੇ ॥ ਧਾਪੇ ਧਾਪੇ ਕ੍ਰਿਨਿ ਪਿਗ ॥ ਕ੍ਰਧਸਾ ਨਮਾ ॥

ਹੇ ਰਾਮ ਲਛਮਨ ਕੋਟਿ ਸ੍ਰੀ ਸਿਧੁ ਸੁਕੰ ॥ ਤੇ ਸਿਕ ਸਾਹਿਬ ਧਰਤ
ਕਮਾ ਹੂਆ ॥ ਸਿੰਕ ਇਤ੍ਰਿ ਕੰਤ ਸਿਵ ਕਾਮ ਸੇਵ ॥ ਸ੍ਰੀ ਕੰ
ਹ ਤੇ ਸੇ ਤ੍ਰਿਸਿ ਸਾਹਿਬ ਕੇ ਸੀਸ ॥੭॥ ਧੇਰੀ ਸ੍ਰੀ ਕ੍ਰਿਤ੍ਰ ਸੰ
ਸ੍ਰੀ: ਸਾਹਿਬ ਕਾ ਸ੍ਰਮਸ੍ਰ ਤਮੀ ॥ ਸਿਲਾਸ ਧੀਰੁ ਕੀਸਾਤ੍ਰ
ਸੁਆਹਾ ਸਧਧਿਰਾ ॥ ਸੇਵੀ ਸਮਾ ਕ੍ਰਿਸ੍ਹ ਨਾਸਮਕੁ
ਨਤ ਸੋਧਨ ॥ ਸਾਚੂ ਲਸਿਦ ਕੁਸ ਜਾ ਸਮਾਤਿ: ਸਾਧੂ ਲਕਾਦ

੨

ਜਾ ॥ ਜੋਗੀ ਪਰਮ ਪਤੀ ਧੀਨਾ ਧੀਨ ਵੇਲੋ ਲਗ ਦੂਲਾ ॥ ਧੀਤਾ
ਭੂਗਤ ਕਾਮ ਤ੍ਰਾ ਮਤਿ ਸਿਮਰ ਸੁਮੇਧਮਾ ॥ ਮੁਰਗ ਦੁਤ੍ਰਾਂ ਸੁਮ
ਸਿਤਾ ਧੀਤ੍ਰ ਪਰੀ ਧਮਿ ਤਿਸੇ ਧ੍ਯਾ ॥ ਮਧਵਤੀ ਕਿਤ ਲਤਾ ਫੁ
ਲਾ ਤੁਕਦ ਤੇਧਮਾ ॥ ਕੈਸੀ ਲੀਭ ਨਾ ਗਾ ਮਹ ਧਾਨ ਕੁਮ
ਸੀਠਾ ॥ ਕਪਾ ਕਾਲ ਹੈ ਉਪਧਾ ਤੁਸ ਤੂ ਸਿਮਰੀ
ਕਾਲ ਸੁਗੀ ਧਨੇਸ੍ਰ ਧਮਾ ਧਾ ਮੇਸੁਣੀ ॥ ਮਤੀਅ ਸੁਣੀ

ਸਾ ੫ ੭

ਸਹੁ ਸਹੁ ਸਹੁ ਅਸੁਣੀ ॥ ਧਮ ਧਮ ਧਰ ਕਸ ਧਰ ਲ
ਧਟਿ ਲਸੂਠ ॥ ਧਸ੍ਰਿਨੀ ਧਰਕਰ ਧਰ ਧਸ੍ਰ ਕਰਮਿ
ਤਾ ॥ ਸਿਰਾਸੂਸਾਸਿਰ ਕਾਤੁਸਮੀ ਰਸ ਵਿਠ ਵਗੀ ॥
ਭੂਮਿ ਸਸੁਰ ਧਾਠ ਧੀਠਿ ਸੀਧੀ ਵਰ ਸੁਤਿ ॥ ਸੁਸਿ
ਤੁਸ ਸੁਕਾਠਾਗ ਸਾਤ ਜੀਸ ਸੁਸੁਤਾ ॥ ਬੀਲਗੀਤ੍ਰਿ
ਕੁਸਾ ਧਾ ਸਾਸ ਕੀ ਗਕ ਤੁਸਰ ॥ ਤਰੀਵ ਸੁਮਨਾ ਕਸ

੫

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गा ५ ५

नमूरस ॥ करडसमोयदवागुंपवसीपवडमसम ॥ मि
तमिलकपरकुनपयरनमरकुरक ॥ परीनमुसि
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
उ ॥ [illegible] ॥ भवेसि
[illegible] ॥ [illegible]

भगवउमहावीरस्स ॥ भयविवागकुलदपकउभीमा
भवपवेहूणियवेहूवेहूमपयभूमदिव ॥ भाभउपी
नवभूवी तुतीउवीगमीयवी ॥ कालाउकंकरलभाया
कुंडगाकनमवी ॥ नीरवयाकीमवाणीनीकुमकउाभ
रमवी ॥ [illegible] ॥ भ
[illegible] ॥ भवेणानिलय

6

तीत्ति: कीत्ति: कीत्तिकमीकथा कमीकामूकथाद्याक
मपुथिपमारमा रमारमश्रिपारेवासेवकीमेवयहूलु
ध्रीहूउनत्तिमम्क कमिनीविलपापनेदा पमेपभूमे
प्रहुमि:मेपःभुप्रभूमिजी नतिनीवटभूलभूकभूक
हैकेवहूलक भऊपनिनुनीमहूभकअंतुेपवविनी
मेभूपइस्वकपाश्रा यभकयामिनीयभी मकामदा

मयूरमकल्पमेवामीभूमी पेमभीभूतिमेमीपेले
मीभूललकभूभ भूभ्भूवपऊवहूवानीवमामि
मी यमभुवल्लविलकानभभुउनवभूला भमभुम
मभाराभूभालिनीभम्रपभूवा केमभूककेमवाः
मामभूदिमलभूभा कमकमममभूथाभववल
भथीभउि: भवादवभथीविभू भूलविहेभूरीहुां

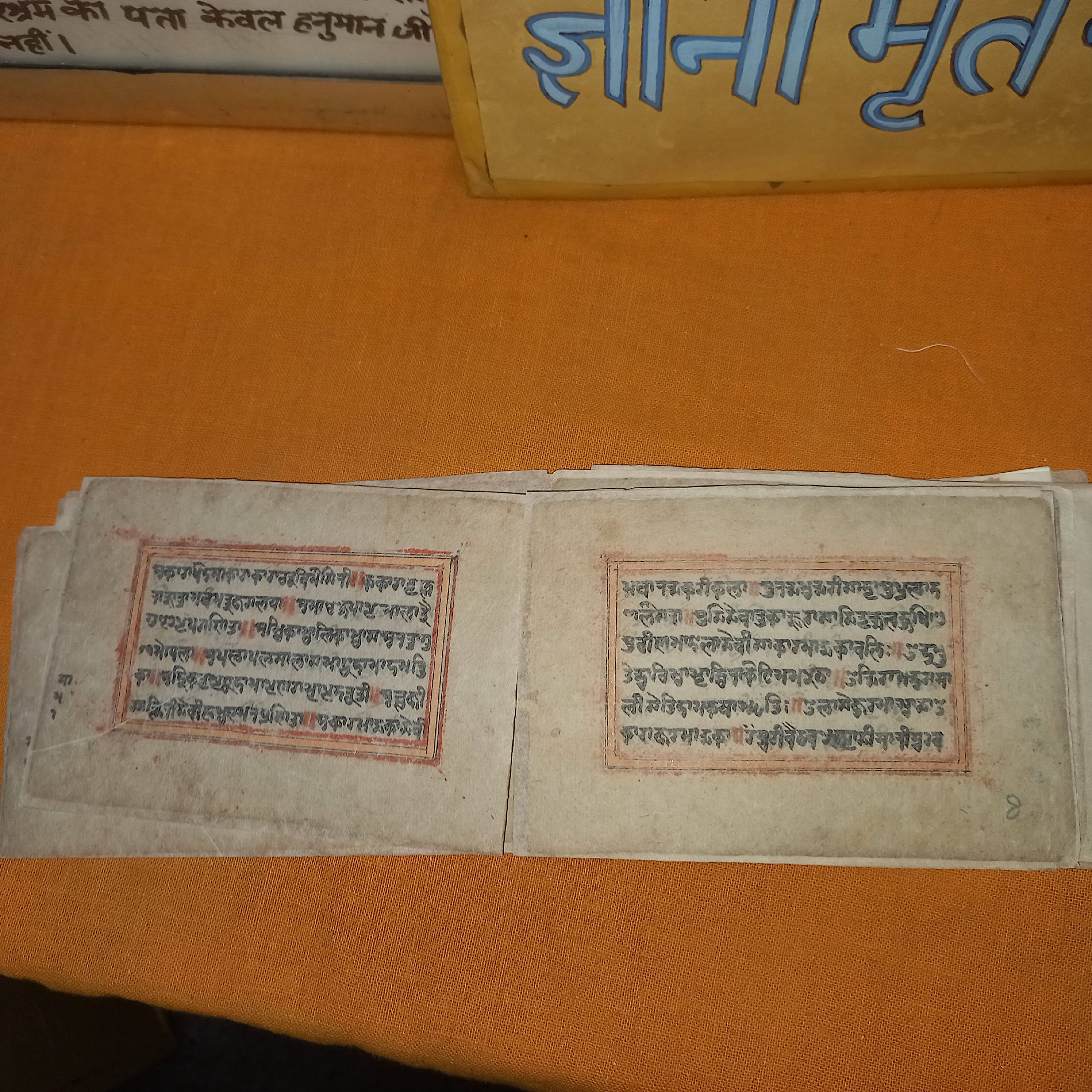

का पता केवल हनुमान
ज्ञानामृत

...ई नहीं जानता। सम्पु...
...रिश्रम का पता केवल हनुमान जी...
... नहीं।

ज्ञानामृ...

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

१

...म का पता केवल हनुमान जी...
नहीं।

ज्ञानामृत

कुकृत्तीमकुल्कभात्रुकतिन्ती ॥ कपालिनीके
पालेमीकपुजसमफिकर ॥ कमधुरीकेमलपी
कमीरकृत्रुमढूकि ॥ अंडकृमलतीस्पू केमल
नीकलाकला ॥ कनलभूकमलभ्फीदिकमलध
कुमिन्ती ॥ कन्हुत्तककपकुभाकमिनीकमपा
लिनी ॥ कक्कुलभपाक्कीककागहूभाडक ॥ प

मा मं ७

कुदभ्रुमाप्रधेमीपिकतीपगमामिनी ॥ पगाभना
पलेलाकीपिटमीपलकमिनी ॥ पिटकपुण
दभुमापफेमुकुडिमखिठ ॥ पत्रुमपवीएनिलय
पकलिक्लमभाडका ॥ गुभुमाहधुवकमागलेम
एनीगया ॥ गिकवगीगरुदभुगकुणनकभ्रूम
गिकगिवाढनोभानीमगलमनवल्लक ॥ गाभ्की

ज्ञानामृत

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

पता केवल हनुमान
13

का पता केवल हनुमान जी

ज्ञानामृत

ीद्भूयलआ ेवभाउमिमेवउा ॥ मछिलमद्भूक
मेवीमकमकरभकका ॥ ठद्भूणमभम्रवद्भूण
नरूणनरविनी ॥ पतिुत्रुाण हवप्रकराक
रभकका ॥ नलिनीनालिकानामनामयमूळ
तिमी ॥ नीधिपवनमइक्रु नगरेमीनरिउमा ॥ नमी
भूरीदधाइका नरनायामुक्ष्म ॥ नदकीनीर

मा
य
१५

एकीमनवल्कमकरद्भूथ ॥ पद्मेद्भूमीपमआपीप
इयानाथमनामा ॥ पमन्कामयुउत्थीयापमवनाथ
नविनी ॥ प्रु:प्रमगविप्रु:पमपाप ड्रीपदि[illegible]वाद
ना ॥ थीवनेआपुतिप्रु[illegible]थीउलाहीपतिप्रिया
पाठ्यीकद्भिउथीउवभ्रालद्धमद्भूथ ॥ पकृ
वमुउथाड्रीभद्रिकापदूमृ ॥ पथिउमापथ

14

नहीं जानता।
पता केवल हनुमान

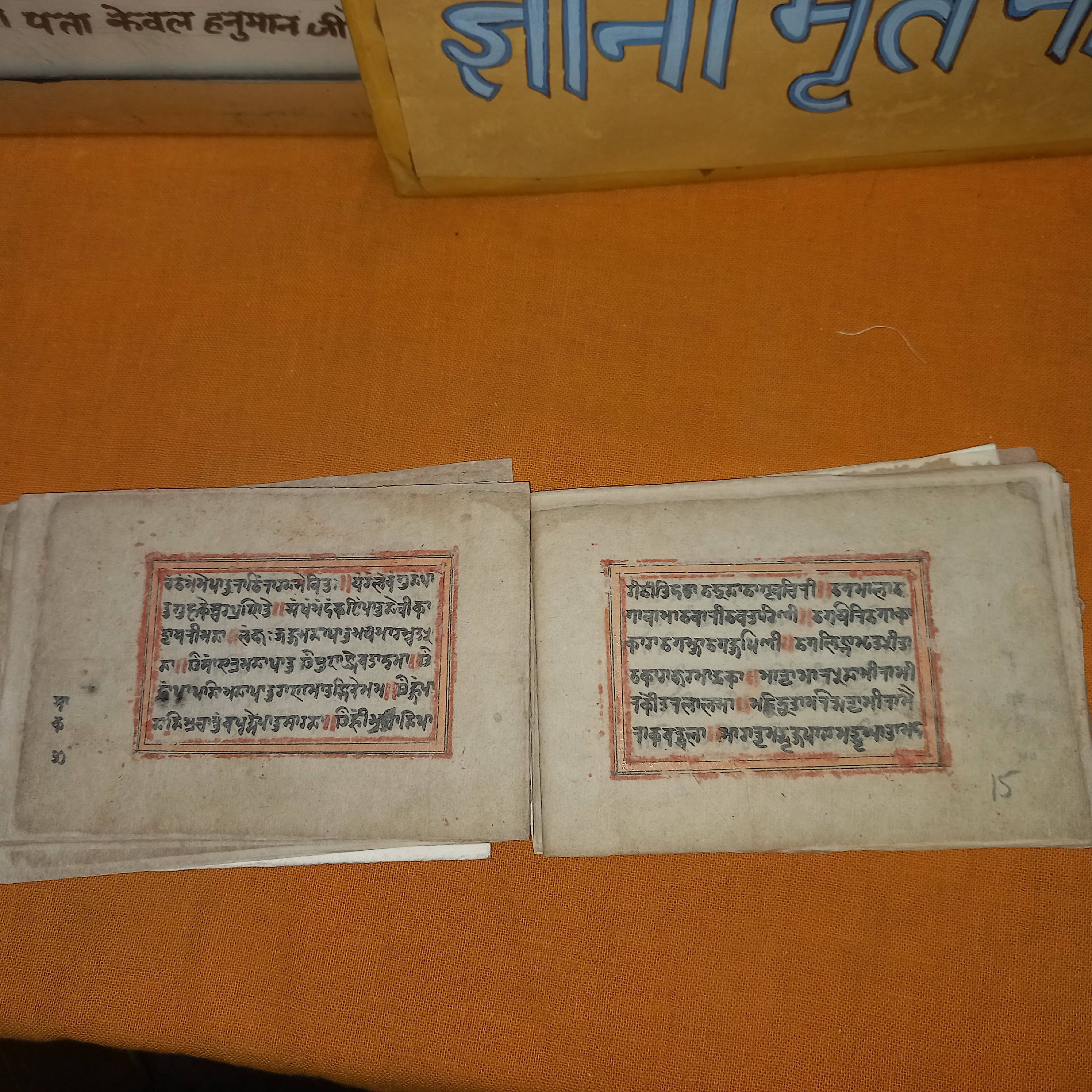
पता केवल हनुमान जी
ज्ञानामृत
15

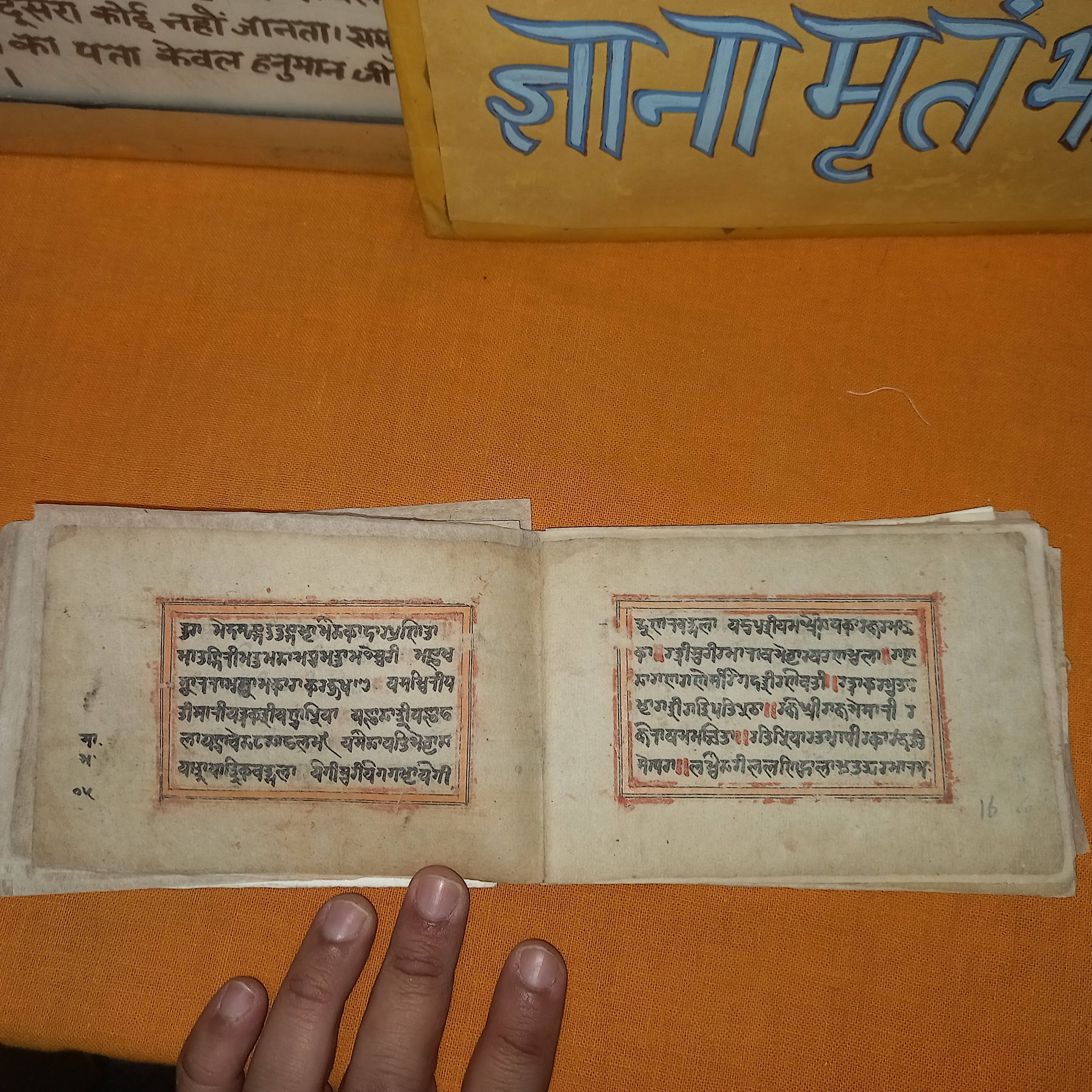
दूसरा कोई नहीं जानता।
का पता केवल हनुमान जी
ज्ञानामृतं
16

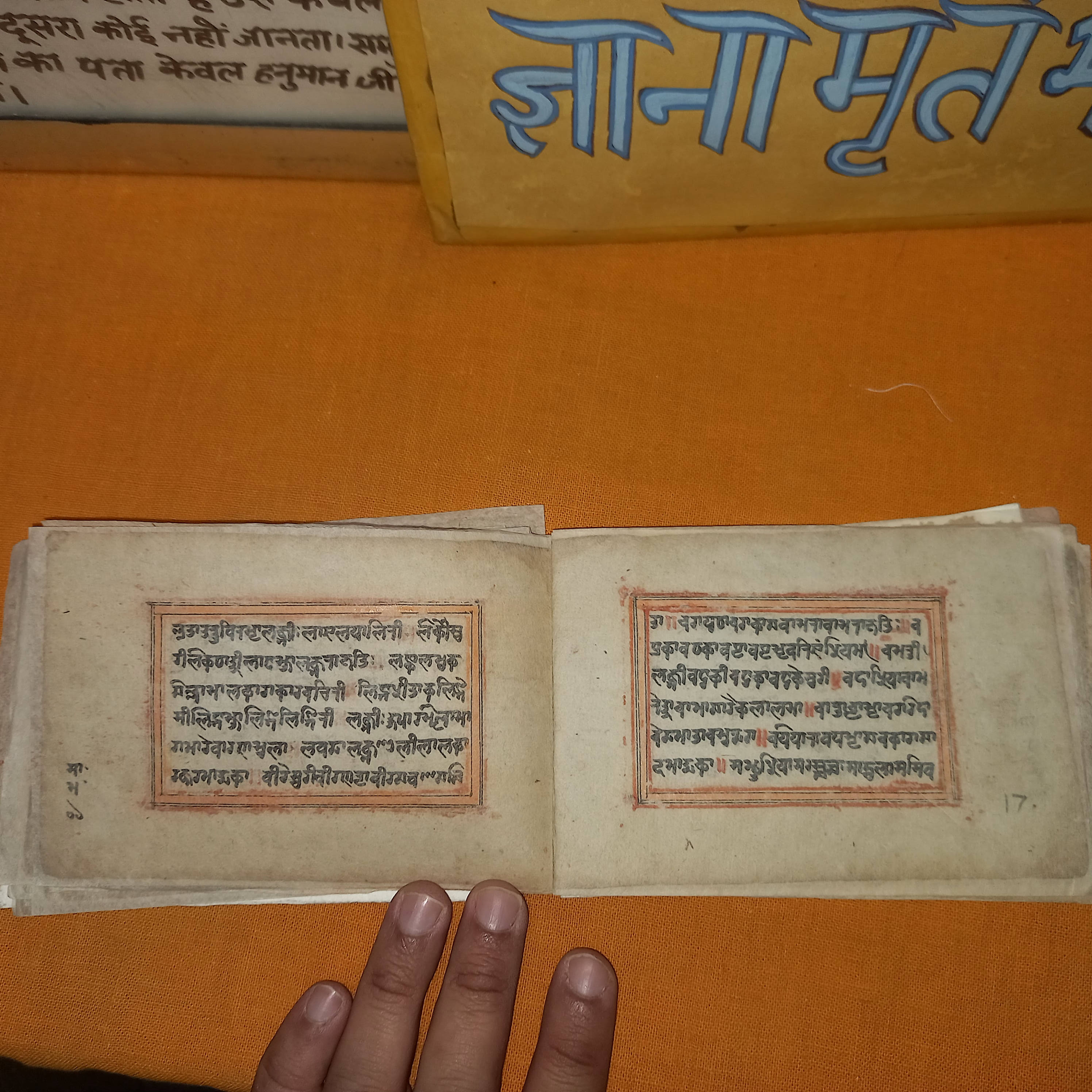
दूसरा कोई नहीं जानता। सम
का पता केवल हनुमान जी
ज्ञानामृत
17.

ज्ञानामृतं भ
होता है उसे केवल
; दूसरा कोई नहीं जानता। सम
म का पता केवल हनुमान जी
हीं।
18

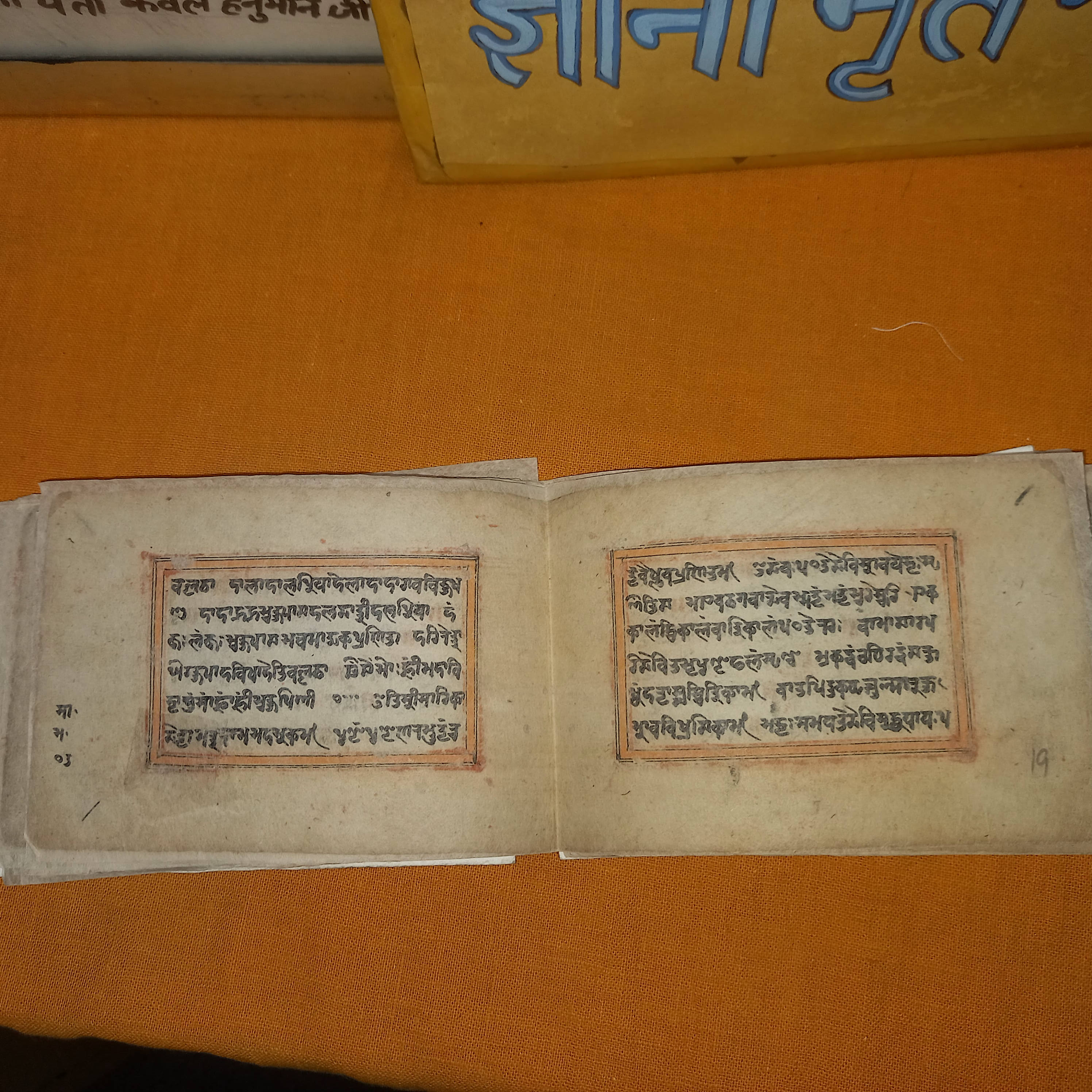
19

दूसरा कोई नहीं जानता।
का पता केवल हनुमान जी
20

दूसरी कोई नहीं जानता। स
का पता केवल हनुमान जी

ज्ञानामृत

मनेष॰हमुभाण्कैमक्तिमत्रिवे ॥ हिवाग्मुहुयाषु
ऊः भठवेकैग्वेशुरः ॥ किंकिंनलठतेदेवि भाठकि
वीरभाठकः ॥ भइवाउनवांल्मिके भहमगथरः
मिवः ॥ मक्तिंभभुलिंकेवे मिथ॰कैंदुंपमभय
भं ॥ उंदलीकेभापंकऊ पगइतुं मिवंठणेउ ॥ उं
तिनामभदश्रुंउ मारिकायाम नेदमभं ॥ मिष्टं गुरु

मा
भ
३

उंल्लिकेगेप नीवंभुवेनिवउं ॥ उं श्री दि
भ उ सा क द न भ लभं ॥ उ
ठभभु ॥ भभांउंद्वितंसागिकाभदमु नाभभं

21

दूसरा कोई नहीं जानता।
का पता केवल हनुमान
ज्ञानामृत

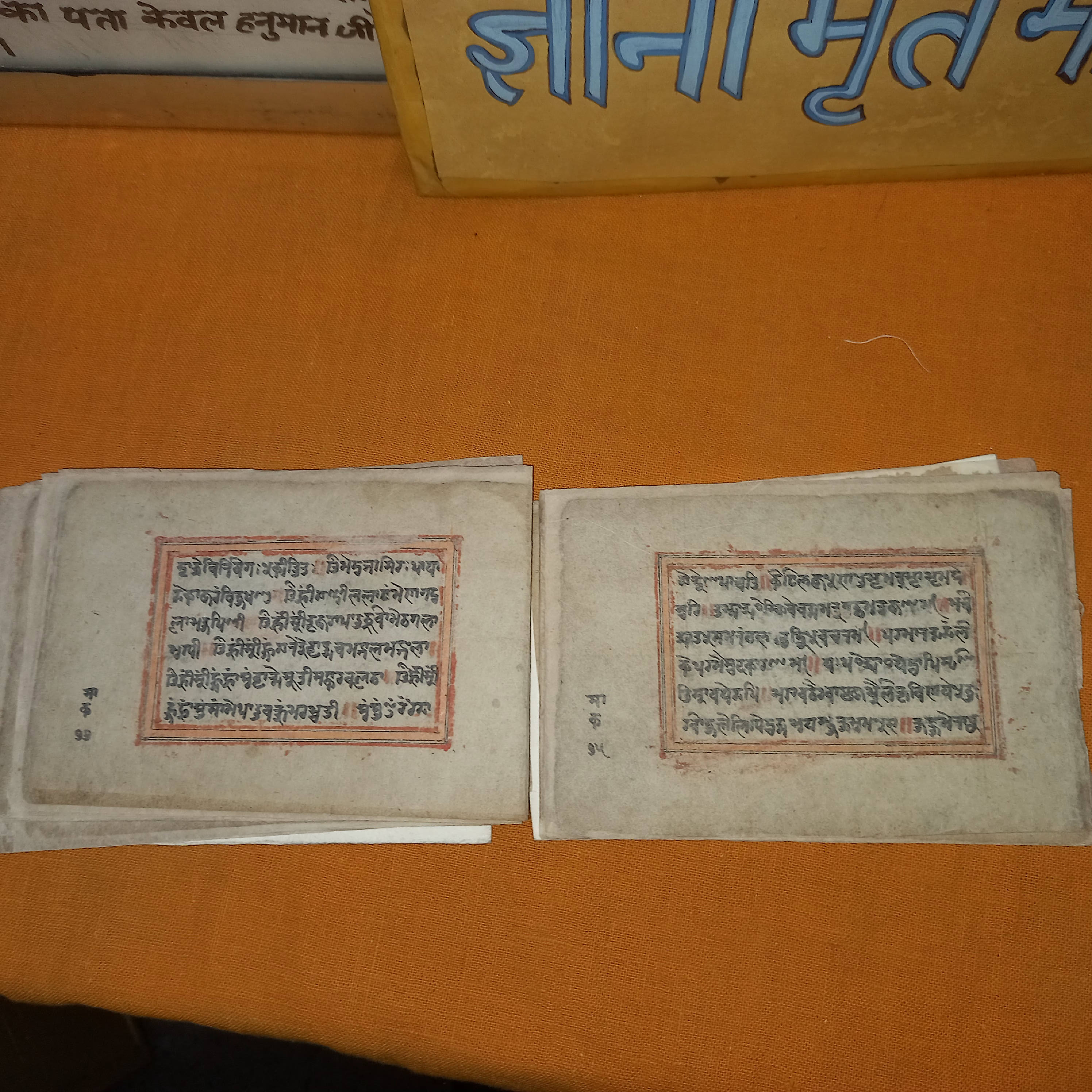
का पता केवल हनुमान जी
ज्ञानामृत

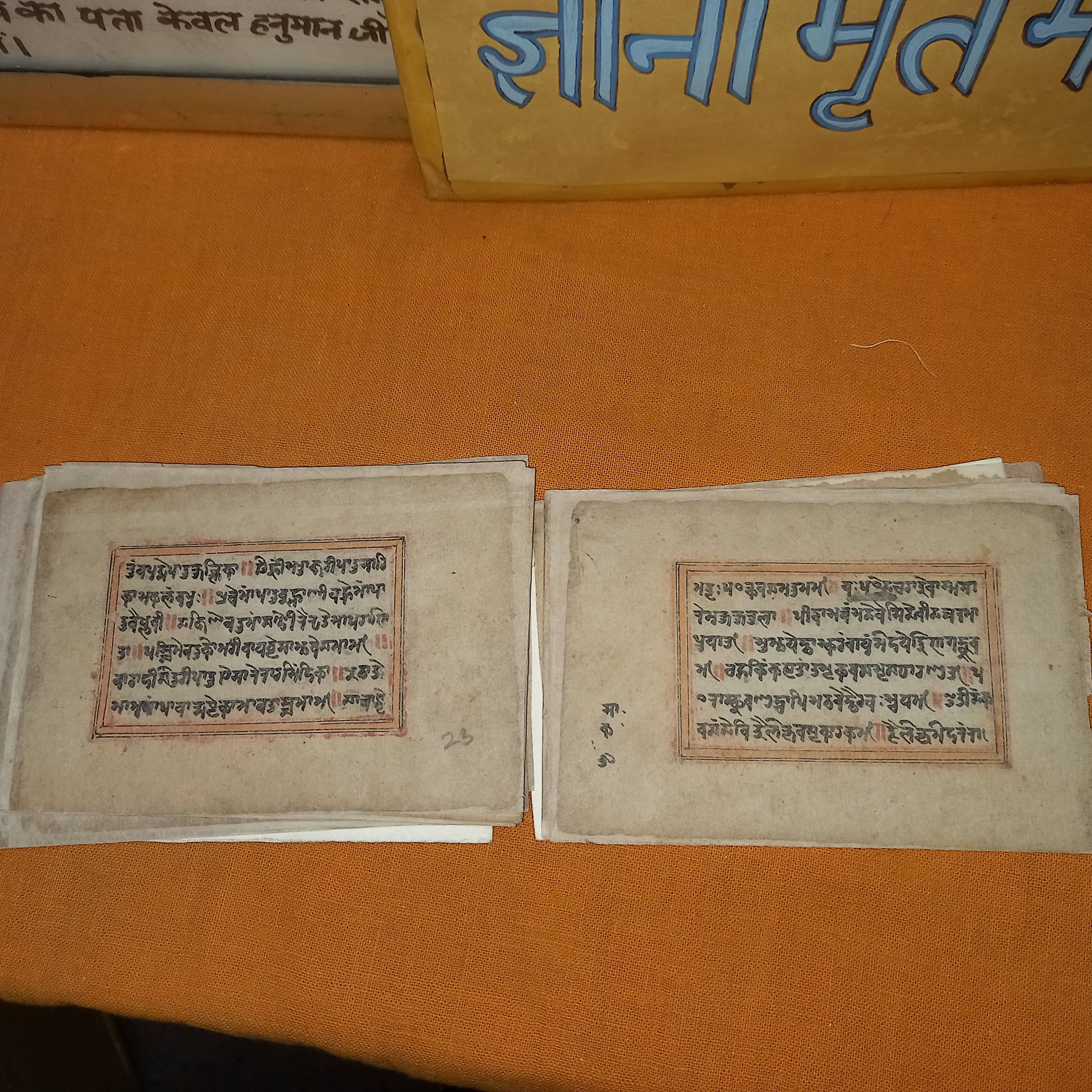
पता केवल हनुमान
ज्ञानामृत

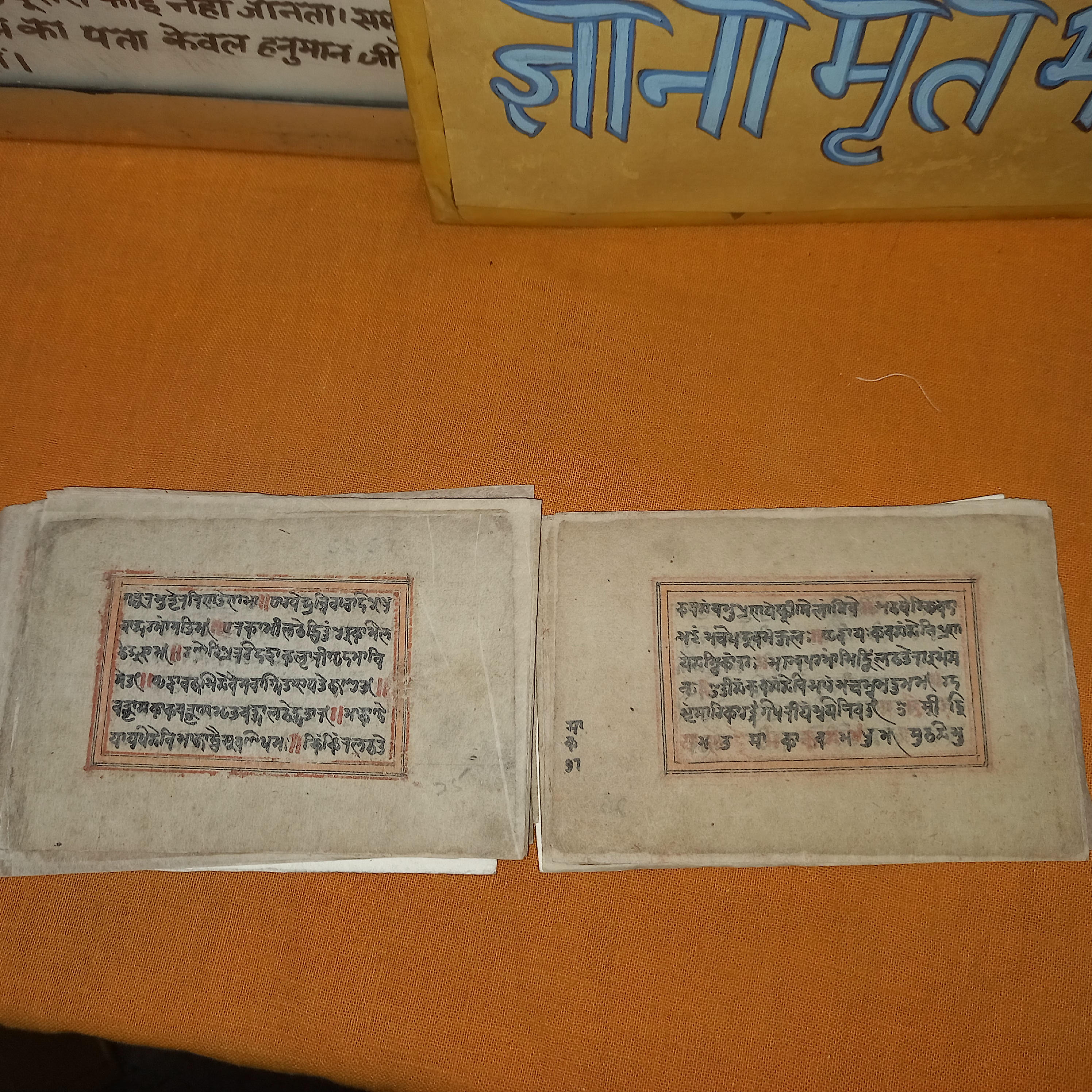
कोई नहीं जानता।
का पता केवल हनुमान जी
ज्ञानामृत

ज्ञानामृत

भगवन्नीयेस्मे[illegible]गि ॥ यश्चकुर्यात्सद्गुरुर्वि
मितायथावति ॥ सीदितं अज्ञलीनायस्वभेकं
भवाभ्युदात ॥ विनाढ्येन सद्वीयाचस्कद्धस्ति
नेविना ॥ सज्जाम दीदप्रभुवे: सिद्धिदानि कावरू
वर्भ ॥ सद्वयावप्रभुन द्वीयाकहदकयसेमुर्गे
भक्तज्ञानमूर्तं ज्ञानपदेगिहेदकपदुिम ॥ भहूर

26

ॐ श्रीमाणिक्यभगवते नमः ॥ विनमेउग्वे ॥
ॐ अस्य श्रीविष्णुपदे श्रीसद्गुरु प्रभुकेपरमे
भक्त सद्गुरुं भवद्धे भक्तकोटि कल्पद्रुम ॥
मस्य श्रीमाणिक्यप्रभुवरस्तोत्रस्य ॥ श्रीमद्देव
ऋषिः ॥ अनुष्टुप छंदः ॥ श्रीमाणिक्यदेवो दे
वता ॥ श्रीमति: ॥ हूं कीलकं ॥ श्रीवि

27

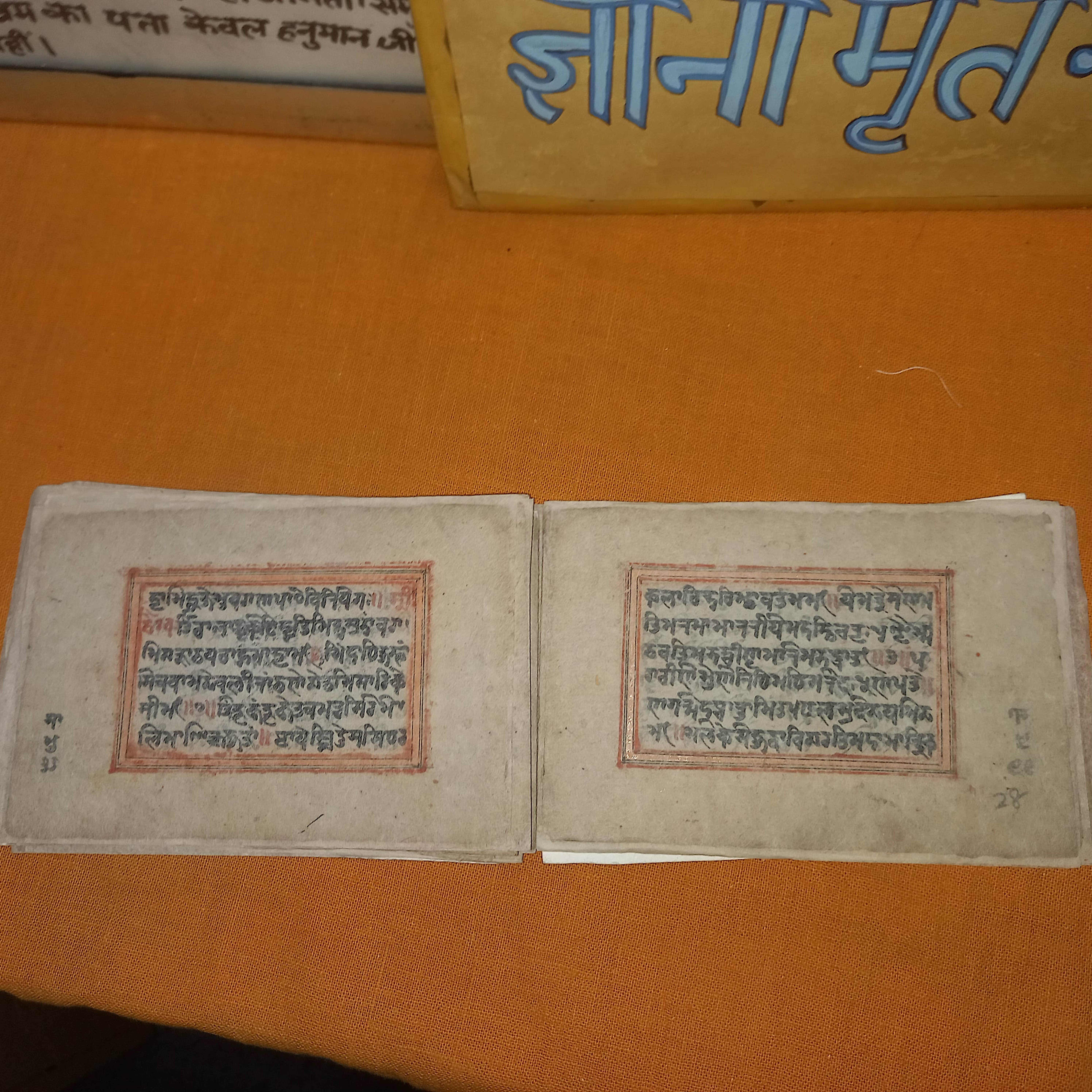
का पता केवल हनुमान

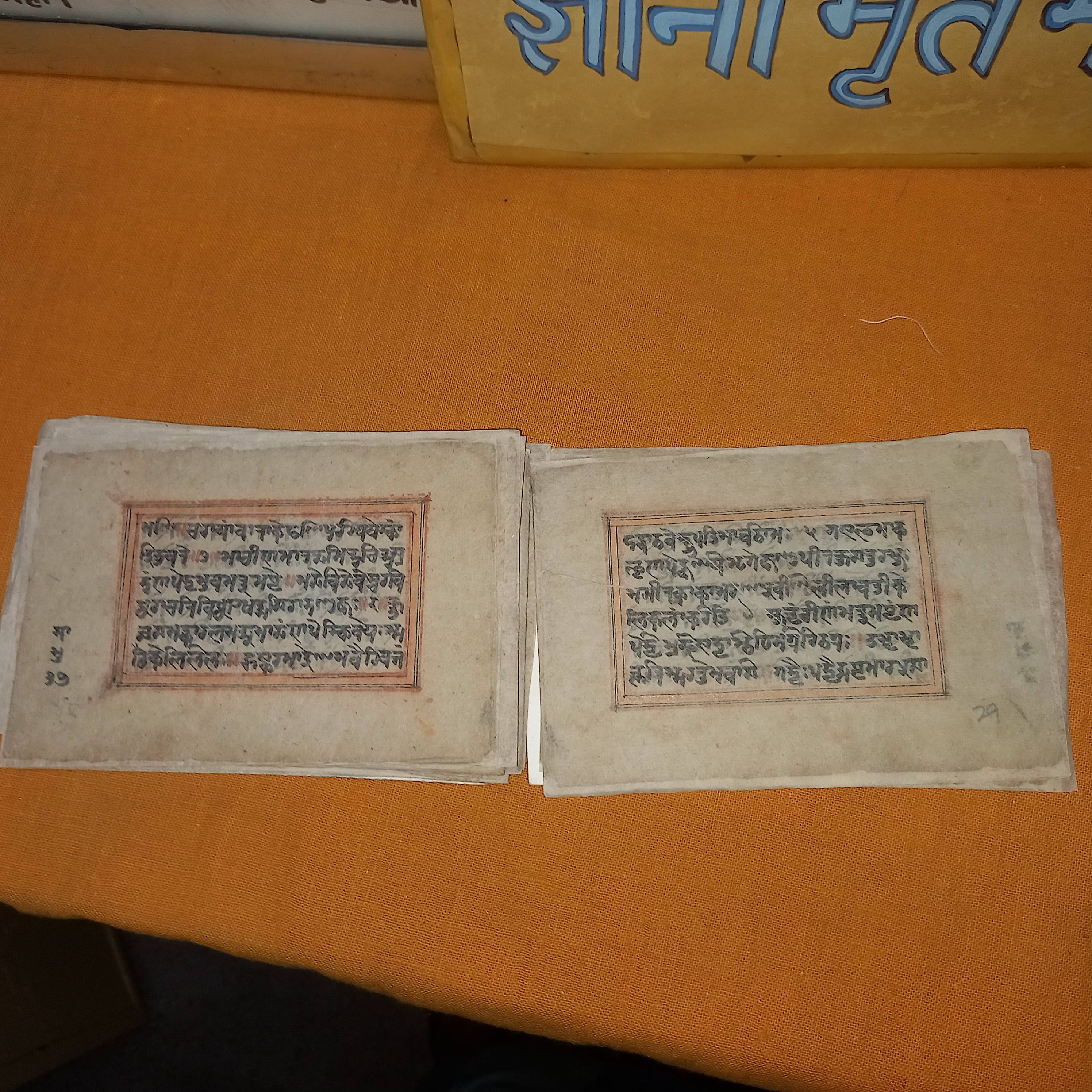

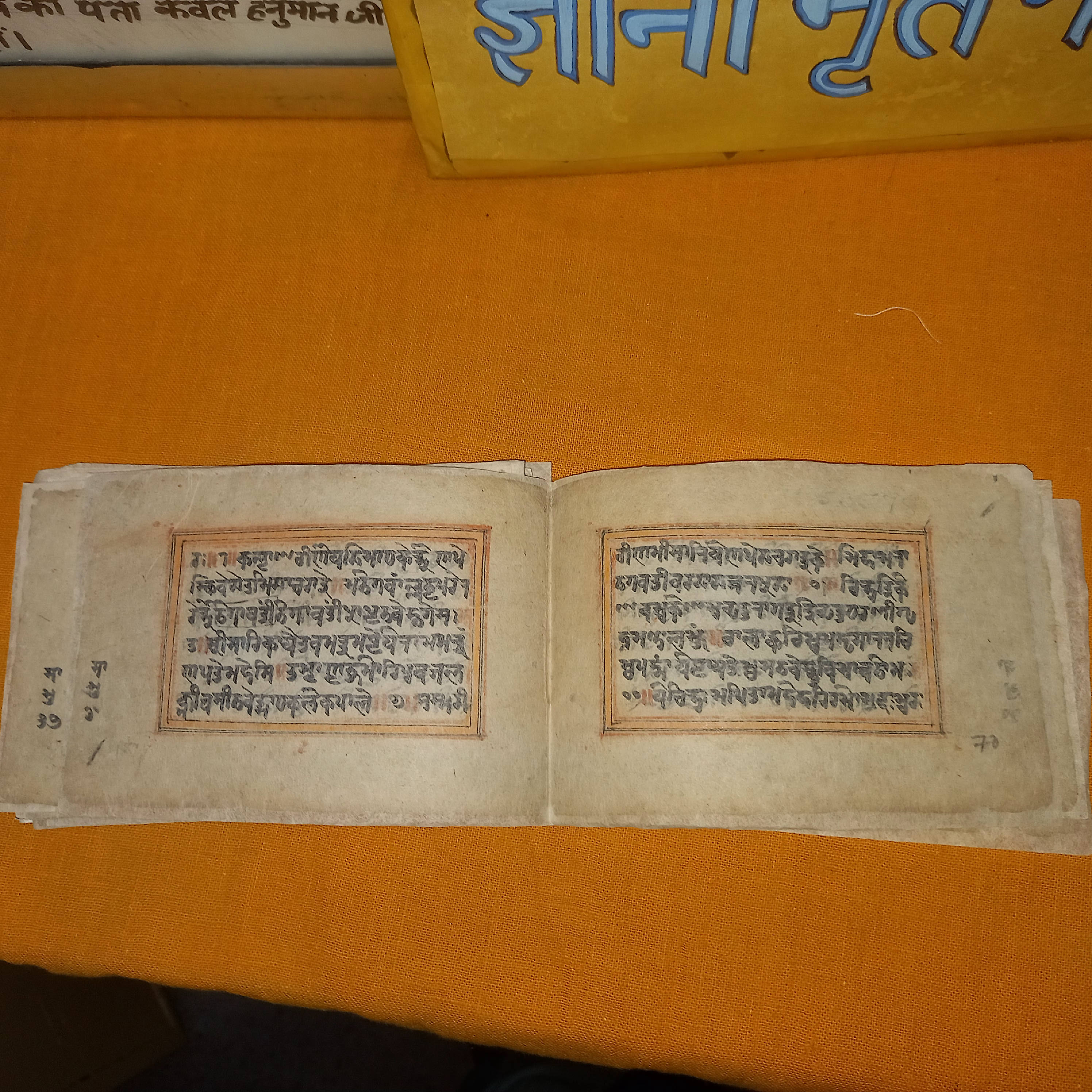
...का पता केवल हनुमान जी...
ज्ञानामृत...
70

म
मु
३२

म
मु
३०

श्रीद्रि० ॥ वेरेकेवलि दिक्षेप्रभ कर्मकेवहूभ
रुमीयते ॥ ५ ॥ अप्रगम ॥ श्रद्धकम्भभ
यः ॥ त्रिव ॥ भवकं श्रेणीमहूतम्भ कल्पतरुपदि
ड्रमावेक्षितुहंम ॥ ६ ॥ श्रीमानिक सुखवि
भ्रमन्देह हेवैत्वसन्मभवेमनकर्मक
ले ॥ उमहूः भवभवहूः ॥ भयनेहतुभ्य प्रले

विरधमण्डे द्विजिवेपिवहूर्ग ॥ ७ ॥ उद्दीप्र
देविपङ्कसंमाविकृपाप्रदहर्कर्म ॥ भवांघ्रं
थतमगुहंदैलिसिहृरम्भम ॥ ८ ॥ महेर्
धर्विइमपुहंश्रेय भक्त्यमसकुर्म ॥ भकवै
धैर्कलिः प्रभुलंमाहंभक्तमगुवे ॥ भवदंभ
वहूविरुमवेक्षिविनुवर्ड ॥ ९ ॥ उकेरद

31

ਸੁ ੩੩

[illegible]

ਸੁਤ ਭਜਾ॥ ਸੁਹੈਂ ਗੇਸੁ ਭਜੇ ਰੁਵਿ ਗੇ ਪਜੀਯ ਮਜਾ।
ਹਿ:॥ ੴ ਤਿ ਸ੍ਰੀ ਮ ਹਿ ਪ ਮ ਲੇ ੩ ਤ੍ਰੈ ਮ ਮ ਕਿਹੁ
ਰ ਦ ਸੇ॥ ਸ ਕਿ ਕ ਕ ਵ ਮ ਲ ਸ ਭ ਪੁ: ਸੁ ੦
ਸੀ

32

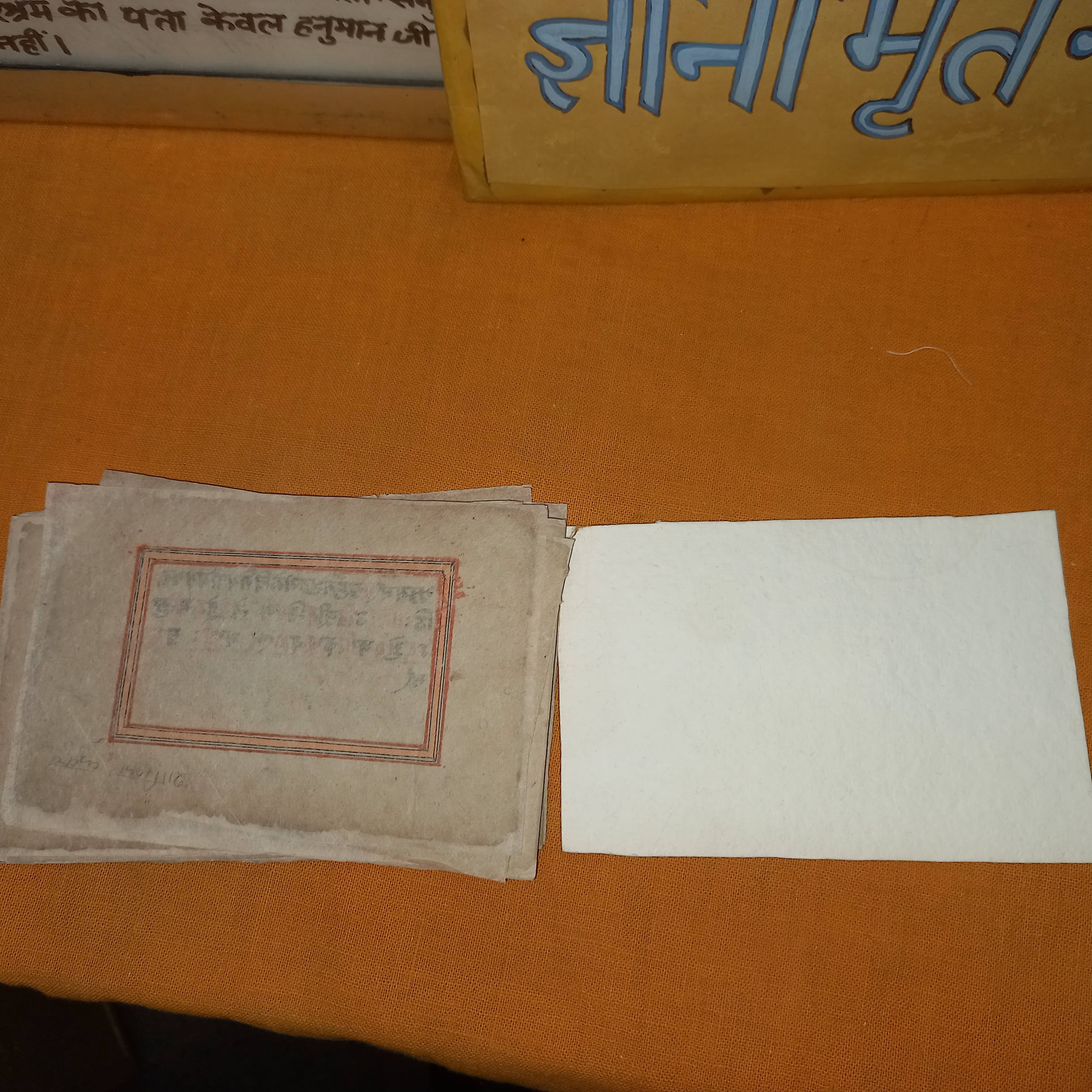
का पता केवल हनुमान जी
नहीं।
ज्ञानामृत

53576
53577
53578
(B)